Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
January to March 2025 E-Journal, Volume I, Issue XLIX, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा का सृजनात्मकता के संदर्भ में अध्ययन

राधा रानी गौतम* डॉ. खेल शंकर व्यास**

* शोधार्थी (शिक्षा) पेसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, उदयपुर (राज.) भारत
** डीन (शिक्षा) पेसिफिक विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.) भारत

प्रस्तावना – शिक्षा जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति का एक सशक्त माध्यम है।यह व्यक्ति की नैसर्गिक प्रवृत्तियो का शोधन व मार्गी–करण कर उसे समाज का सक्रिय सदस्य बनाती है। ताकि वह अपने उत्तरदायित्वो का कुशलता पूर्वक निर्वहन कर सके। वर्तमान समय में शिक्षा के उद्देश्य बदल चुके हैं। आज शिक्षा का उद्देश्य न केवल पाठ्यक्रम संबंधी ज्ञान प्रदान करना है बल्कि सह–पाठ्यक्रम व सहगामी क्रियाओ संबंधी जानकारी प्रदान करना भी है, जो कि अनुभव आधारित होता है और इसके लिए विद्यार्थियों का सृजनशील होना आवश्यक है अत: आज शिक्षा का उद्देश्य बालकों को सृजनात्मक बनाने पर बल देता है इसलिए पाठ्यक्रम की रचना इस प्रकार करनी चाहिए ताकि विद्यार्थी अधिक सर्जनशील बन सके, क्योंकि एक सर्जनशील बालक ही अपने अनुभवों, कलाओं, ज्ञान व कौशलों के आधार पर स्वयं को जीवन की विपरीत परिस्थितियों में समायोजित करने की सामर्थ्य रखता है।

अत: आवश्यकता है कि हम बालक के अंदर सृजनात्मक संबंधित विभिन्न गुण जैसे – भावना प्रबंधन, संबंधित घटनाओं के मध्य संबंध बनाना, नवीन विचार उत्पन्न करना संसार में दिए हुए पैटर्न ढूंढना आदि गुणों का विकास कर सके यदि छात्र का बुद्धि स्तर बढ़ेगा तो स्वत: ही उसका प्रभाव उपलब्धि अभिप्रेरणा पर पड़ेगा।

शब्द कुंजी – शिक्षक, शिक्षण परिक्षण संस्थान, उपलब्धि अभिप्रेरणा, सृजनात्मकता।

समस्या कथन – शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा का सृजनात्मकता की संदर्भ में अध्ययन।

उद्देश्य :

1. B.Ed संस्थान के प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन।
2. STC संस्थान के प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन।
3. B.Ed संस्थान के प्ररीक्षणार्थियो की सृजनात्मकता का अध्ययन करना।
4. STC संस्थान के प्ररीक्षणार्थियो की सृजनात्मकता का अध्ययन करना।
5. B.Ed एवं STC के प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा सृजनात्मकता के मध्य सह सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएं :

1. B.Ed एवं STC संस्थान के प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. B.Ed एवं STC संस्थान के प्ररीक्षणार्थियो की सृजनात्मकता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. B.Ed एवं STC संस्थान के प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं सृजनात्मकता के मध्य कोई सहसम्बन्ध नहीं है।

शोध विधि

अनुसंधान प्रारूप : प्रकरण की प्रकृति व उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इस अनुसंधान में सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का उपयोग किया गया है।

तकनीक

स्तरीय न्यादर्श तकनीक – प्रस्तुत अध्ययन में स्तरीय न्यादर्श तकनीक का प्रयोग किया गया है इसमें अनुसंधानकर्ता विशिष्ट लक्षणों के आधार पर छोटे–छोटे समजात समूह बनाता है तथा जनसंख्या के स्तरों को निश्चित करता है।

जनसंख्या व न्यादर्श

1. **जनसंख्या**– कोटा शहर के शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान के प्ररीक्षणार्थी।
2. **न्यादर्श**–B.Ed एवं STC शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान के 100 प्ररीक्षणार्थियो को लिया गया है जिसमें 50 छात्र एवं 50 छात्रों को सम्मिलित किया गया है।

आंकड़े संकलन की योजना

प्रयुक्त उपकरण: प्रस्तावित शोध अध्ययन में निम्न उपकरणों का उपयोग किया गया है।

1. **उपलब्धि अभिप्रेरणा**– वी. पी. भार्गव का अभिप्रेरणा मापनी
2. **सृजनात्मकता**– इसके लिए Divergent Production Ability Test Bettery (K.N. Sharma) का उपयोग किया गया इस बैटरी में 6 उप – जांच है यह मुख्य चार सृजन क्षमताओं के साथ–साथ कुल सृजनात्मकता को भी नापती है।

3. आंकड़े का विश्लेषण

1. मध्य
2. मानक विचलन
3. टी–परीक्षण

आंकड़े का विश्लेषण

1. **माध्य–** इसको ज्ञात करने के लिए दो या दो से अधिक स्कोर को जोड़कर उसे स्कोर की संख्या से विभाजित कर देते हैं।
2. **मानक विचलन –** निराश्रित चर को आश्रित चर से तुलना करके विचलन निकाल सकते है।
3. **टी – परीक्षण –** जब दो जनसंख्या के औसत का अंतर निकालना होता है, तब टी–परीक्षण का उपयोग करते है द्य या जब दो माध्यो की तुलना की जाती है।
4. **सहसम्बन्ध –** परस्पर आश्रित चरो के मध्य किसी भी प्रकार के प्रमाण को ज्ञात करने हेतु सहसम्बन्ध का प्रयोग किया जाता है।

आंकड़े का विश्लेषण

परिकल्पना– 1

B.Ed एवं STC के प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नही है।

उपलब्धित अभिप्रेरणा

सारणी (गणना)

	N	Mean	S.D	S.E	T.Value	निष्कर्ष
B.Ed	50	60.79	7.31	0.333	0.333	सार्थक अंतर
STC	50	60.55	7.21	0.727		नही है।

सारणी से पता चलता है कि B.Ed के कुल प्ररीक्षणार्थियो के प्राप्तांको का मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन क्रमश: 60.79 तथा 7.31 और STC के कुल प्ररीक्षणार्थियो के प्राप्तांकों का मध्यमान व प्रमाणिक विचलन 60.55 तथा 7.21 प्राप्त हुआ दोनों वर्गों के प्राप्तांकों से प्राप्त प्रमाणिक त्रुटि का मन 0.726 प्राप्त हुआ तथा 'टी' का मन 0.333 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 98 पर उपरोक्त 'टी' का मन 0.05 स्तर पर दिए गए स्थानीय मान से कम है। अत: परिकल्पना 0.05 स्तर पर स्वीकृत सिद्ध होती है।

निष्कर्ष अत: यह निष्कर्ष निकलता है कि दोनों वर्गों का उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना– 2

B.Ed एवं STC के प्ररीक्षणार्थियो की सर्जनात्मकता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी (गणना)

hy=2	N	Mean	S.D	S.E	T. Value	निष्कर्ष
B.Ed	50	129.86	18.659	1.9028	0.515	सार्थक अंतर
STC	50	128.88	19.387			नही है।

उपरोक्त सारणी का अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि B.Ed के प्राप्तांको का मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन क्रमश: 129.86 तथा 18.659 और STC के प्ररीक्षणार्थियो के प्राप्तांक को का प्राप्तांको का मध्यमान व प्रमाणिक विचलन क्रमश: 128.88 तथा 19.389 प्राप्त हुआ। टी प्रशिक्षण सांख्यिकीय विधि के अंतर्गत दोनों वर्गों के प्राप्तांकों से ज्ञात प्रमाणिक त्रुटि का मन 1.9028 प्राप्त हुआ तथा टी–मान 0.515 प्राप्त हुआ स्वतंत्रता के अंश 98 पर उपरोक्त टी का मान 0.05 स्तर पर दिए गए सरणी मान से कम है। अत: परिकल्पना 0.05 स्तर पर स्वीकृत सिद्ध होती है।

निष्कर्ष – अत: यह निष्कर्ष निकलता है कि B.Ed एवं STC के प्ररीक्षणार्थियो की सर्जनात्मकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना– 3

B.Ed एवं STC के प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं सृजनात्मकता में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

सारणी (गणना)

Hy=2	N	Mean	S.D.	(dx)(dy)		निष्कर्ष
उपलब्धि अभिप्रेरणा	100	60.67	725	29697.71	0.540	सामन्य धनात्मक प्रभाव पड़ता है।
सृजनात्मकता	100	129.37	19.01			

उपरोक्त सारणी का अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है की न्यादर्श में चयनित समस्त प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन क्रमश: 60.67 तथा 7.25 और सृजनात्मकता का मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन क्रमश: 109.37 तथा 19.01 प्राप्त हुआ। जबकि इसके प्राप्तांको के विचलनों की गुणनफल का योग 2967.71 प्राप्त हुआ तथा सहसंबंध सांख्यिकी विधि द्वारा इनके मध्य सहसंबंध का मन 0.540 है। जो की धानात्मक सहसम्बन्ध है अर्थात सृजनात्मकता में वृद्धि होने पर उपलब्धि अभिप्रेरणा में सामान्य वृद्धि होती है।

निष्कर्ष – अत: या निष्कर्ष निकलता है की उपलब्धि अभिप्रेरणा व प्ररीक्षणार्थियो की सृजनात्मकता का सामान्य प्रभाव पड़ता है।

परिणाम – प्रस्तुत अध्ययन के परिणामों से निष्कर्ष निकलता है की सृजनात्मकता का बालकों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सामान्य धनात्मक प्रभाव पड़ता है। अत: जिसमें शब्द निर्माण योग्यता, कहानी लेखन समस्या समाधान योग्यता विभिन्नता एवं समानता को परखने की योग्यता, वाक्य व शीर्षक निर्माण की योग्यता आदि पाई जाती है वह बालक सृजनशील होते हैं। और इन गुणों से उन्हें परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने को करने में सहायता मिलती है।

सभी विद्यार्थियों में अलग–अलग गुण होते हैं सामान्यत: देखा गया है कि जिन विद्यार्थियों का आकांक्षा स्तर एवं अध्ययन रुचि अधिक होती है, उनकी अकादमिक उपलब्धि भी उच्च होती है। परंतु यह पूर्णतया अनिवार्य नहीं है कि जिन प्ररीक्षणार्थियो में सृजनात्मकता स्तर उच्च थे उनकी अध्ययन रुचि का स्तर व स्मरण शक्ति उच्च हो तथा यह भी स्पष्ट रूप से देखा जाता है जिन प्ररीक्षणार्थियो में उपलब्धि अभिप्रेरणा उच्च हो उनके सृजनात्मकता स्तर में भी भिन्नता होती है।

अत: निष्कर्ष रूप में समस्त प्ररीक्षणार्थियो की उपलब्धि अभिप्रेरणा व सृजनात्मकता में सामान्य सहसम्बन्ध है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. Ai Xiao Xia(08 June 2010)"Creativity And Academic Achievement: An Investigation Of Gender Differences".
2. Abdullah N., Aizan H.T., Sherir J., Kumar Vijay, Malaysia (2009),"Relationship Between Creativity And Academic Achievement: A Study Of Gender Differences".
3. Anwar M.N., Anees M., Asma Khizar, Md. Gulam M.N. Pakistan, 2012,"Relationship Of Creativity Thinking With The Academic Achievement Of Senior Secondary Students".
4. Boloandifar S. Nooreen Noordin, 2013, Malaysia, "Investigation the Relationship Between Creativity And

Academic Achievement", Vol 65.
5. Eladi S., Batdi V., 2015, Turkey,"The Effect Of Different Application On Creativity Regarding Academy Achievement A Meta Analysis".
6. Gajda, 2016 "Effect Of Creativity and Academic Achievement (A Meta Analysis)".
7. Kotreshwaraswami A., 2014, Malaysia, "A Study Of Relationship Between Creativity And Academic Achievement Of Secondary School Puplis.
8. Meera K.P., Remya P. 2015, "Effect of Extensive Reading and Creativity On Academic Achievement In English Language".
9. Naderi H. Abdullah R. Aizan H.T., V. Kumar, Malaysia, 2009, "The Relationship Between Creativity And Academic Achievement".
10. Taylor & Francis, Joseph C. Bentley, Feb. 1966,"The Journal Of Education Research Creativity And Academic Achievement".

****